हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 154 देहरादून, बुधवार, 07 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

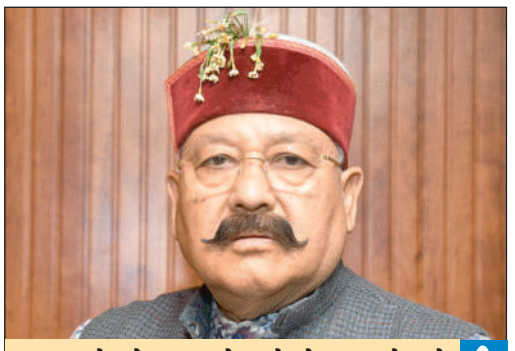

महाराज के कोपभाजन से बचने को हरकत में आये राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी दौड़े सड़क सुधारने

3

होमगार्डस के जवानों को हर प्रकार का सहयोग मिलेगा : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ननूरखेड़ा, देहरादून में होमगार्डस एवं नागरिक सुरक्षा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने रैतिक परेड का निरीक्षण किया एवं होमगार्डस एवं नागरिक सुरक्षा की स्मारिका का विमोचन किया। होमगार्ड जवानों के मानसिक स्वास्थ्य एवं अन्य समस्याओं के लिए बनाये गये एप 'पहल' का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सेवा पृथक होमगार्ड कुन्ती देवी को होमगार्ड कल्याण कोष से एक लाख रूपये का चेक एवं ड्यूटी के दौरान मृत होमगार्ड जवान तिलक राज मौर्य की पत्नी प्रीति को होमगार्ड कल्याण कोष से 02 लाख रूपये का चेक प्रदान किया। केन्द्र सरकार द्वारा कुमाऊँ कमाण्डेन्ट, होमगार्डस ललित मोहन जोशी को सराहनीय सेवाओं के लिए गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सम्मान स्वीकृत किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर चार घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के 10 जनपदों ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ़, चम्पावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, रूद्रप्रयाग, पौड़ी, उत्तरकाशी और टिहरी में होमगार्ड्स स्वयंसेवकों की एक-एक महिला प्लाटून (कुल संख्या 330) महिला होमगार्ड्स के पदों पर भर्ती की जायेगी। उत्तराखण्ड राज्य में एक जनपद से दूसरे जनपद की अन्तर्जनपदीय ड्यूटी तथा राज्य की सीमा के अन्तर्गत निर्वाचन ड्यूटी एवं रैतिक परेड में तैनात होने वाले होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को 180 रुपए प्रतिदिन, प्रति होमगार्ड भोजन भत्ता प्रदान किया जायेगा। होमगार्ड्स ड्यूटी के 24 घण्टे के भीतर घायल/बीमार होने वाले होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को पूरे सेवाकाल में चिकित्सालय में भर्ती होने पर अधिकतम 06 माह तक ड्यूटी भत्ता प्रदान किया जायेगा। अवैतनिक प्लाटून कमाण्डर का मानदेय 1000 रूपये से बढ़ाकर 1500 रूपये प्रतिमाह, अवैतनिक सहायक कम्पनी कमाण्डर का मानदेय 1200 रूपये से बढ़ाकर 2000 रूपये प्रतिमाह तथा अवैतनिक कम्पनी कमाण्डर का मानदेय 1500 रूपये से बढ़ाकर 2500 रूपये प्रतिमाह दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्रसेवा का अद्वितीय उदाहरण अगर कहीं स्पष्ट देखने को मिलता है तो वह हमारे जवानों के बीच आकर ही देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि परेड में जवानों द्वारा मोटरबाईक पर जो साहस, कौशल एवं सन्तुलन का प्रदर्शन किया वो सराहनीय था। होमगार्डस एवं नागरिक सुरक्षा का राज्य में कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान है। कड़ी धूप में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को जिस तरह हमारे ये जवान नियंत्रित करते हैं, वह सराहनीय है। कोविड महामारी के दौरान होमगार्ड्स जवानों ने जिस निष्काम सेवा से अपने कर्तव्य का निर्वहन किया, वह सबके लिए अनुकरणीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार होमगार्डस के जवानों को हर प्रकार का सहयोग देने के लिए तत्पर है। होमगार्ड्स जवानों के एस.एल.आर. प्रशिक्षण हेतु दस हजार कारतूस क्रय किये गये हैं। राज्य सरकार ने अपने इन जवानों की सुविधा के लिए छोटे हथियारों जैसे पिस्टल आदि के क्रय किये जाने हेतु भी स्वीकृति प्रदान की गई है। यातायात को बेहतर बनाये जाने के उद्देश्य से विभाग ने इस वर्ष जो "प्रोजेक्ट पार्क वैल" योजना की शुरूआत की है, इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। होमगार्ड्स स्वयंसेवकों के लम्बित कल्याण कोष के प्रकरणों के निस्तारण हेतु सावधि जमा धनराशि के सम्पूर्ण उपयोग की अनुमति भी प्रदान की है। जून 2022 से होमगार्ड्स स्वयंसेवकों को महंगाई भत्ता एवं जुलाई 2022 से धुलाई भत्ता भी प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार ने अप्रैल 2017 से एरियर के भुगतान किये जाने हेतु अनुपूरक बजट में 101 करोड़ रुपए का अलग से प्रावधान किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में होमगार्ड्स तथा नागरिक सुरक्षा संगठन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उत्तराखण्ड राज्य के विकास तथा कानून व्यवस्था एवं शान्ति स्थापना के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण सहयोग इसी प्रकार प्रदान करते रहेंगे।

इस अवसर पर मेयर देहरादून सुनील उनियाल गामा, मेयर ऋषिकेश अनीता मंमगांई, विधायक उमेश शर्मा काऊ, खजान दास, प्रमोद नैनवाल, पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा केवल खुराना, डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल होमगार्ड अमिताभ श्रीवास्तव, राजीव बलोनी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम को लेकर तैयार मुख्यमंत्री आवास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर , मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम को लेकर प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपति के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रपति के आगमन से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएं समयबद्धता के साथ पूर्ण कर ली जाए।

अपर मुख्य सचिव ने राष्ट्रपति जी के आगमन के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पूर्वाभ्यास का निरीक्षण किया।इस अवसर पर सचिव

हरीश चन्द्र सेमवाल, प्रभारी सचिव विनोद कुमार सुमन, डीआईजी गढ़वाल रेंज करन सिंह नगन्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून दिलीप सिंह कुंवर, निदेशक संस्कृति बीना भट्ट तथा प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : जहरीला पौधा खाने से 3 नाबालिगों की मौत, 1 की हालत गंभीर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार के बुग्गावाला इलाके में दो परिवारों के चार बच्चों में से तीन ने बुधवार को जहरीले पंवार के पौधे की फलियां खाईं, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जहां पांच साल की शबनम और तीन साल की शाजिया की मौत हो गई, वहीं एम्स ऋषिकेश में भर्ती पांच साल के बशीर की रविवार को मौत हो गई। 6 साल की आसिफा नाम की एक और बच्ची देहरादून के एक निजी अस्पताल में अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है।पुलिस के अनुसार मंगलवार की शाम बच्चे खेत में खेल रहे थे तभी उन्होंने जंगली पौधे को खा लिया। इसके तुरंत बाद, वे सभी अत्यधिक उल्टी और दस्त से पीड़ित हो गए और उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। एसपी (ग्रामीण) स्वप्न किशोर सिंह

ने बताया, "घटना की सूचना मिलने के बाद हमने इलाके से खरपतवार नष्ट करने के लिए एक टीम गांव में भेजी." हमारा परिवार लेकिन एक भी सरकारी अधिकारी हमारे समर्थन के लिए हमारे पास नहीं आया।

क्या आप जानते है ब्लूटूथ से बढ़ा साइबर अटैक का खतरा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 दिसंबर , साइबर अटैक की लिस्ट में नए खतरे का नाम है ब्लूबगिंग. इसे इसलिए भी खतरनाक बताया जा रहा है क्योंकि इसका सीधा कनेक्शन ब्लूटूथ से है. जानिए क्या है ब्लूबगिंग, कैसे होता है यह सायबर अटैक और डिवाइस को कैसे सुरक्षित रखें..तकनीक के जरिए लाइफ आसान बन रही है, लेकिन सायबर अटैक का खतरा भी बढ़ रहा है. सायबर अटैक की लिस्ट में नए खतरे का नाम है ब्लूबगिंग (Blue-bugging). इसे इसलिए भी खतरनाक बताया जा रहा है क्योंकि इसका सीधा कनेक्शन ब्लूटूथ से है.

जानिए क्या हैकिंग का नया हथियार 'ब्लूबगिंग'?

हाल में सायबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स ने चिंता जताई है कि वो ऐप जो स्मार्टफोंस और लैपटॉप को वायरसलेस ईयरबड्स से कनेक्ट करते हैं उनके जरिए ब्लूबगिंग का खतरा है.इतना ही नहीं, आइफोंस में भी ब्लूबगिंग जैसे सायबर अटैक का खतरा जताया गया है. यह भी कहा गया है कि ब्लूटूथ से जुड़ी ऐप ऐपल यूजर्स और सिरी के बीच होने वाली बातचीत को भी रिकॉर्ड कर सकती है.जानिए क्या है ब्लूबगिंग, कैसे होता है यह सायबर अटैक और डिवाइस को कैसे सुरक्षित रखें...

क्या है ब्लूबगिंग और हैकर्स कितना नुकसान पहुंचाते हैं?

ब्लूबगिंग हैकिंग की ऐसी तकनीक है जिसका इस्तेमाल हैकर्स तब करते हैं जब ब्लूटूथ डिस्कवरी मोड में होता है. यानी दूसरी डिवाइस को जोड़ने के लिए सर्च कर रहा होता है. इसी दौरान ही हैकर्स यूजर्स की डिवाइस को निशाना बनाते हैं.ब्लूबगिंग के जरिए डिवाइस को हैक करने के बाद हैकर्स यूजर्स की कॉल और मैसेज तक अपनी पहुंच बना लेते हैं. इतना ही नहीं, वो यूजर्स की कॉल को अपने नंबर पर डाइवर्ट तक कर सकते हैं और फोन में मौजूद हर जानकारी को चुरा सकते हैं. इसका इस्तेमाल वो अपने फायदे और सुविधा के हिसाब से करते हैं.

कैसे हैकिंग को देते हैं अंजाम?

जर्मन शोधकर्ता मार्टिन हरफर्ट ने 2004 में ब्लूबगिंग को विकसित किया था. शुरुआती दौर में इससे सिर्फ लैपटॉप को खतरा था, लेकिन बाद में मोबाइल और ब्लूटूथ से लैस दूसरी डिवाइस में इस साइबर अटैक के मामले सामने आने लगे. यह ऐसा अटैक है को फोन की सिक्योरिटी को भी मात दे देता है.हैकर्स कैसे इसको अंजाम देते हैं, अब इसे भी समझ लीजिए. जब भी यूजर्स ब्लूटूथ के जरिए स्मार्टफोंस और लैपटॉप और ईयरबड्स को कनेक्ट करता है तो हैकर्स की डिवाइस भी उस लिस्ट में दिखाई देने लगती हैं. अगर यूजर्स गलती से उसे कनेक्ट करता है तो हैकर्स साइबर अटैक को अंजाम देते हैं.

भूलकर न खाएं देसी घी अगर ये हैं 5 बीमारियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 दिसंबर , भारतीय खानों की कल्पना बिना घी के नहीं की जा सकती। घी का सेवन हल्वा बनाने में, मिठाईयों में, खाना पकाने में और रोटी के ऊपर लगाकर अक्सर किया जाता है। आयुर्वेद के मुताबिक घी रोजाना इस्तेमाल होने वाला फूड है जो ना सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी कई तरह से फायदा पहुंचाता है। आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. के अनुसार घी का सेवन करने से बॉडी को कई तरह के फायदे होते हैं। घी स्किन पर एंटी एजिंग (Anti-ageing)की तरह काम करता है। इसे खाने से स्किन पर उमर बढ़ने का असर कम दिखता है।

इसका सेवन करने से आंखों की हेल्थ (Good for eye health) दुरुस्त रहती है, बुद्धि और स्मृति (Improves intellect and memory)में सुधार होता है, पाचन दुरुस्त (Improves digestion) रहता है और स्किन हेल्दी रहती है। सेहत के लिए फायदेमंद होने के बावजूद कुछ लोगों को अक्सर डॉक्टर घी का सेवन नहीं करने की सलाह देते हैं। एक्सपर्ट ने इंस्टाग्राम पर बताया है कि घी के सकारात्मक प्रभावों के बावजूद ये किसी-किसी को नुकसान भी पहुंचाता है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि

किन बीमारियों में घी का सेवन नहीं करना चाहिए। क्यों घी कुछ लोगों को सूट नहीं करता।

विशेषज्ञ के अनुसार इन लोगों को घी का सेवन करने से बचना चाहिए।

यदि आप क्रॉनिक अपच (chronic indigestion) और पेट की समस्याओं (stomach issues) जैसे IBS-D से पीड़ित हैं, तो घी का सेवन नहीं करें।बुखार के दौरान घी से परहेज करें, खासकर मौसमी बुखार (seasonal fevers)में घी नहीं खाएं।

गर्भवती महिलाओं (Pregnant women)को घी खाते समय दोगुनी सावधानी बरतनी चाहिए। यदि आप गर्भावस्था के दौरान अधिक वजन या मोटापे की शिकार हैं, तो घी का सेवन ना करें या कम करें। लीवर सिरोसिस (liver cirrhosis), स्प्लेनोमेगाली (splenomegaly), हेपेटोमेगाली (hepatomegaly),हेपेटाइटिस (hepatitis)आदि जैसे लीवर जैसे रोगों में घी से बचना चाहिए।

एक्सपर्ट के मुताबिक जिन लोगों का बीएमआई ज्यादा है उन्हें घी से परहेज करना चाहिए। डिस्लिपिडेमिया, फैटी लीवर, हृदय रोगों, और जो लोग gall bladder removal surgery से गुजर चुके लोगों को घी से परहेज करना चाहिए।

कितने घी का सेवन है अच्छी हेल्थ के लिए है जरूरी

घी के सेहत के लिए कई फायदे हैं जिनमें हड्डी की हेल्थ और ब्रेन हेल्थ, एंटी इंफ्लामेटरी गुण, बेहतर मेटाबॉलिज्म और स्ट्रॉन्ग इम्युनिटी शामिल हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक किसी भी फूड का सेवन आप अपने शरीर के मुताबिक करें। जरूरी नहीं है कि जो फूड सेहत के लिए फायदेमंद है वो आपकी सेहत के अनुरूप हो। एक्सपर्ट के मुताबिक बॉडी को हेल्दी रखने के लिए आप दिन में एक से दो चम्मच घी का सेवन कर सकते हैं।

दिन में सोने से काला मोतियाबिंद का खतरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 दिसंबर , रात में भरपूर नींद न ले पाना, दिन में नींद आना और खर्राटे भरने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है। लंबे समय तक यह समस्या होने पर ग्लूकोमा (काला मोतियाबिंद) होने का जोखिम बढ़ जाता है। समय पर इलाज न मिल पाने से दृष्टिहीनता का भी खतरा बढ़ जाता है. ग्लूकोमा के कारण आंखों की रोशनी चले जाने के बाद दोबारा नहीं लौटती है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि भरपूर नींद न लेने की स्थिति में यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। बुजुर्गों विशेषकर पुरुषों धूम्रपान करने वालों में यह आम समस्या है।

बीएमजे ओपन जर्नल में प्रकाशित शोध में ब्रिटेन के बायो बैंक अध्ययन में भाग लेने वाले 4 लाख से ज्यादा लोगों के डेटा का आकलन किया गया। इस स्टडी में 40 से 69 आयु वर्ग के लोगों को शामिल किया गया था। अध्ययन में शामिल लोगों से उनकी नींद की आदतों के बारे में जानकारी जमा की गई। 2010 से 2021 तक चले इस अध्ययन के दौरान 8,690 मामलों की पहचान की गई। आंकड़ों के आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि स्वस्थ नींद पैटर्न वाले लोगों की तुलना में खर्राटे और दिन की नींद में ग्लूकोमा का जोखिम 11% बढ़ गया।

वहीं, अनिद्रा और छोटी या लंबी नींद लेने वालों में यह जोखिम 13% तक बढ़ गया था। अच्छी नींद न होने से निर्णय लेने की क्षमता, स्वभाव, सीखने की क्षमता और याददाश्त पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, 2040 तक दुनिया भर में 11.2 करोड़ लोग ग्लूकोमा से प्रभावित हो सकते है।

होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के लिए मुख्यमंत्री धामी का बड़ा एलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में होमगाड्र्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के स्थापना दिवस समारोह में सीएम धामी ने परेड की सलामी ली और जवानों का शानदार प्रदर्शन देखा। इस दौरान सीएम धामी ने विभाग की उपलब्धियों और उनके कार्य की सराहना करते हुए कई बड़ी और महत्वपूर्ण घोषणाएं की है।

सरकार ने किये बड़े एलान

1. उत्तराखण्ड राज्य के 10 जनपदो-ऊधमसिंहनगर, पिथौरागढ, चम्पावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, रूद्रप्रयाग, पौड़ी, उत्तरकाशी और टिहरी में महिला होमगाड्र्स स्वयंसेवको की एक-एक महिला प्लाटून (कुल संख्या-330) पदो पर भर्ती किये जाने की घोषणा

2. उत्तराखण्ड राज्य में एक जनपद से दूसरे जनपद अंतरजनपदीय ड्यूटी तथा राज्य की सीमा में निर्वाचन ड्यूटी एवं रैतिक परेड में तैनात होने वाले होमगाड्र्स स्वयंसेवको को 180 रू0 प्रतिदिवस भोजन भत्ता प्रदान किये जाने की घोषणा

3. होमगाड्र्स की ड्यूटी के 24 घण्टे के भीतर घायल/बीमार होने वाले होमगाड्र्स स्वयंसेवको को पूरे सेवाकाल में चिकित्सालय में भर्ती होने पर अधिकतम 06 माह तक ड्यूटी भत्ता प्रदान किये जाने की घोषणा 4. अवैतनिक प्लाटून कमाण्डर के मानदेय में रू0 1000 से रू0 1500 प्रतिमाह अवैतनिक सहायक कम्पनी कमाण्डर के मानदेय में रू0 1200 से रू0 2000 प्रतिमाह एवं अवैतनिक कम्पनी कमाण्डर के मानदेय में रू0 1500 से रू0 2500 प्रतिमाह बढ़ोतरी किये जाने की घोषणा

हेली सर्विस में टिकटों की काला बाज़ारी पर सीएम धामी के सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में हेली सेवाओं के विस्तार के साथ ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिये हैं। उन्होंने जौलीग्रांट के साथ ही पंतनगर एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग की व्यवस्था तथा विस्तारीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों एवं पर्यटकों को बेहतर हवाई सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु टिकट बुकिंग एवं टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिये भी कारगर व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने पर ध्यान देने को कहा है।

सचिवालय में नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के निदेशक मण्डल की आठवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि बेहतर हवाई सुविधाओं के आधार पर हमें लोगों को उत्तराखण्ड आने के लिये प्रेरित करना होगा। ऐसा माहौल बनाना होगा ताकि उत्तराखण्ड आना लोगों की आदत बने। फ्रेंडली स्टेट के रूप में हमारी पहचान के साथ राज्य में पर्यटन तथा धार्मिक पर्यटन को अधिक से अधिक बढ़ावा मिले इसके लिये समेकित प्रयासों की भी उन्होंने जरूरत बतायी।

मुख्यमंत्री ने यूकाडा से आय के संसाधनों

में वृद्धि के प्रयासों पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि पंतनगर में नाइट लैंडिंग की व्यवस्था बनाये जाने के साथ ही यहां से नियमित रूप से हवाई सेवा संचालित किये जाने के प्रयास किये जायं। यह भी व्यवस्था बनायी जाय कि पंतनगर एवं जौलीग्रांट में वायुयान से उतरने के बाद पर्यटकों को हेलीकॉप्टर से प्रदेश के विभिन्न सुरम्य पर्यटन स्थलों पर आने जाने की सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने नैनी सैनी, चिन्यालीसौड एवं गौचर हवाई पट्टियों को भी सुविधायुक्त बनाये जाने को कहा ताकि यहां पर भी छोटे वायुयान की सुविधा उपलब्ध हो सके। उनहोंने उड़ान योजना के तहत विकसित किये जा रहे हेलीपोर्टों को भी आवश्यक संसाधनों से सुविधायुक्त बनाये जाने पर भी ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान हेली टिकटों के बुकिंग तथा टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग पर प्रभावी नियंत्रण की कारगर व्यवस्था बनायी जाय। इस संबंध में हेली टिकटों की बुकिंग की व्यवस्था आईआरसीटीसी के माध्यम से बनाये जाने की भी बात मुख्यमंत्री ने कही।

बैठक में सचिव नागरिक उड्डयन दिलीप जावलकर तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी यूकाडा सी. रविशंकर द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय कार्यकलापों की जानकारी दी गई। बैठक में यूकाडा की विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के साथ ही वर्तमान बैठक में प्रस्तुत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ ही सहमति प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. सन्धू, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी आनन्द बर्द्धन, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, शैलेश बगोली, अरविंद सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महाराज के कोपभाजन से बचने को हरकत में आये राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी दौड़े सड़क सुधारने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर , राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 121 (309) के किमी0 128.00 से किमी0 158.00 (बीरोंखाल से मझगांव) एवं किमी0 164.00 से किमी0 189.00 (थैलीसैण से सलोनधार) तक मार्ग के पुनः निर्माण एवं सुदृढीकरण कार्य की खराब गुणवत्ता की मीडिया में आई खबरों का संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज के निर्देश के बाद विभाग ने 10 मीटर तक डी.बी.एम. की सतह को उखाड़वा दिया है। शीघ्र ही उक्त स्थान पर निर्धारित मोटाई में डी.बी.एम. से पुनः रिलेईंग का कार्य कराया जाएगा।प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 121 (309) के किमी0 128.00 से किमी0 158.00 (बीरोंखाल से मझगांव) एवं किमी0 164.00 से किमी0 189.00 (थैलीसैण से सलोनधार) तक मार्ग के पुनः निर्माण एवं सुदृढीकरण का कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 121 (309) के किमी0 156(0-2) वह स्थान

है जहां नमी होने के कारण धूप नहीं आने की वजह से डी.बी.एम. की सतह लगभग 10 मीटर तक उखड़ गई थी। ई.पी.सी. मोड के अंतर्गत निर्माण एवं सुदृढीकरण करने वाली संबंधित कंपनी पर इसकी जिम्मेदारी तय की गई।मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि 10 मीटर तक उक्त सड़क को जेसीबी ब्रेको लोडर से स्क्रैप कर उखाड़ दिया गया है। अब इस स्थान पर निर्धारित मोटाई में डी.बी.एम. से पुनः रिलेईंग कार्य के आदेश दिए गए हैं जिस पर शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

पिरान कलियर में इलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत, फरार हुआ अस्पताल स्टाफ

पिरान कलियर। रुड़की के पिरान कलियर के एक निजी अस्पताल में मंगलवार को इलाज के दौरान सात माह की गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। इससे गुस्साए महिला के परिजनों ने हंगामा कर दिया। मौके से अस्पताल का पूरा स्टाफ भाग निकला।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि गर्भवती महिला नाजिया पत्नी अब्दुल मालिक निवासी बेड़पुर की तबीयत खराब होने पर परिजन सोमवार शाम को कलियर के बेड़पुर चौक स्थित एक निजी अस्पताल लेकर गए थे। महिला सात माह की गर्भवती थी। आरोप है कि तबीयत खराब होने पर भी महिला को देखने के लिए अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं आया। अस्पताल के स्टाफ ने महिला को दर्द के इंजेक्शन लगाए। आरोप है कि महिला दर्द से तड़पती रही और अस्पताल स्टाफ इंजेक्शन लगाता रहा। मंगलवार सुबह तक भी कोई डॉक्टर नहीं आया। उसके बाद महिला की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। थोड़ी देर में महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद महिला के परिजन और रिश्तेदारों ने अस्पताल पहुंचकर अस्पताल के स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा।

अद्भुत है राज्य पुष्प ब्रह्म कमल का रहस्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर , आपकी किस्मत संवर जाएगी अगर उसको देख लिया .... बहुत दुर्लभ है उसका दीदार करना , लेकिन जब वो खिलती है तो खुशियां बरसती है। हम बात उस पुष्प की कर रहे हैं जो देवताओं को पसंद है , आम लोगों के लिए दुर्लभ है और देवभूमि का राज्य पुष्प है। आमतौर पर फूल साल में कई समय तक के लिए खिलते हैं. कुछ फूल साल के खास वक्त में ही खिलते हैं पर जिस फूल की हम आपको बताने जा रहे हैं वो इतना रहस्यमयी है कि वो साल में सिर्फ 1 ही रात के लिए खिलता है. इस दुर्लभ फूल को लोग रात की रानी भी कहते हैं। एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार एपिफिलम ऑक्सीपेटलम (Epiphyllum Oxypetalum) असल में कैक्टस की प्रजाति का एक पौधा है जो सफेद रंग के बेहद खूबसूरत फूलों को उगाने के लिए जाना जाता है. ये फूल साल में सिर्फ 1 रात के लिए उगते हैं. इस फूल को क्वीन ऑफ द नाइट कहा जाता है. ये फूल उस एक रात में कुछ ही घंटों के लिए खिलता है और सूर्योदय होने से पहले मुरझा जाता है. मेक्सिको, मध्य अमेरिका और एटलीज में ये फूल उगते हैं और इसे देखने के लिए दूसरे देशों से लोग आते हैं.ये इतना दुर्लभ है कि लोगों का मानना है कि जो इसे खिले हुए देख लेता है उसकी किस्मत चमक जाती है. कई लोगों ने तो फूल को खिले आजतक नहीं देखा है बावजूद इसके कि उनके घर में ये पौधे उगा है. इस बात का पता लगाना तो मुश्किल है कि ये फूल किस वक्त उगेगा मगर जिन लोगों ने इसे उगे देखा है, उनका दावा है कि ये गर्मी की रातों को और वसंत के मौसम में उगता है. कुछ लोगों का मानना है कि ये पूर्णिमा की रात को ही उगता है वहीं कुछ का कहना है कि ये भारी बारिश के बाद उगता है. इसकी खुशबू इतनी ज्यादा होती है कि कुछ दूरी से ही इसे सूंघा जा सकता है पर ये सिर्फ 1-2 घंटे के लिए ही उगता है.

उत्तराखंड और भगवान शिव से है खास कनेक्शन

इस अद्भुत पुष्प को भारत में ब्रह्म कमल कहा जाता है जो उत्तराखंड और आसपास के पहाड़ी इलाकों में होता है. पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक ब्रह्म कमल वही फूल है जिस पर भगवान शिव ने जल छिड़क कर भगवान गणेश को जीवित किया था. यही वजह है कि इस फूल को जीवन देने वाला फूल भी कहते हैं. ऐसे में मान्यता है कि यदि किसी बीमार व्यक्ति के पास इस फूल को रखा जाए तो उसकी सेहत में सुधार होता है. एक मान्यता तो ये भी है कि अगर कोई ब्रह्म कमल को खिला हुआ देख ले तो उसकी किस्मत पलट जाती है. कहते हैं कि खिलते हुए ब्रह्म कमल को देखने से व्यक्ति का भाग्य उदय हो सकता है। आप भी अगर पहाड़ों में जाएं और दुर्लभ रात की रानी का खिलता हुआ नज़ारा दिख जाये तो खुद को किस्मतवाला समझियेगा।

गाड़ी चलाते वक्त न करें ये गलतिया, बरतें सावधानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 दिसंबर , इन दिनों आम तौर पर ज्यादातर लोगों के पास अपनी गाड़ी होती है और जिनके पास नहीं होती है उनके लिए कई सारे ऐप मौजूद हैं, जहां से वो कार रेंट पर ले सकते हैं. लेकिन गाड़ी चलाना अमूमन हर व्यक्ति को आता है. इसलिए लोग ड्राइविंग बहुत पसंद करते हैं. ड्राइव करते वक्त कुछ चीजों का ध्यान में रखना बहुत जरूरी है. जैसे कि स्पीड लिमिट, हाईवे पर गाड़ी चलाते समय एक साइड से गाड़ी चलाना और भी बहुत कुछ. ड्राइविंग सीखने से पहले इस तरह की जरूरी जानकारी यदि आप जान लेंगे तो ड्राइविंग करना आपके लिए आसान हो जाएगा. कुछ ऐसी ही आसान और जरूरी जानकारी हम आपको बताने वाले हैं. यातायात के नियमों का पालन करना बहुत जरूरी होता है. ट्रैफिक के नियमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए. ज्यादातर दुर्घटनाओं में ड्राइवर की गलती मानी जाती है. नियमों के मुताबिक यदि आप सही तरीके से ड्राइविंग नहीं करते तो आप ख़ुद के साथ-साथ दूसरों को भी मुसीबत में डाल सकते हैं. ज्यादातर देखा जाता है युवा वर्ग के लोग तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हैं. कार की गति जितनी ज्यादा होगी उतनी ही दुर्घटना की संभावना ज्यादा रहेगी. इसलिए गाड़ी हमेशा धीमी गति में चलानी चाहिए. कार चलाते समय सीट बेल्ट पहनना चाहिए और दूसरों को भी सीट बेल्ट पहनने के लिए बोले. कार चलाते समय हमेशा दूसरे वाहन से उचित दूरी बनाए रखें. ज्यादातर दुर्घटना इसी कारण होती है. कार चलाते समय नजरें सड़क पर होनी चाहिए. फोन पर बात नहीं करना चाहिए. कार में बैठे लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं करनी चाहिए. ध्यान गाड़ी चलाने पर होना चाहिए. कार चलाते समय मिरर का इस्तेमाल ठीक ढंग से करना जरूरी है. दाएं-बाएं और पीछे से आने वाली गाड़ियों को मिरर से सही से दिखना चाहिए

महिला आईपीएल 7 मार्च से शुरू होने की संभावना.....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

माउंट द्रौपदी का डंडा- II में हाल ही में हिमस्खलन त्रासदी - जिसमें 27 युवा पर्वतारोही मारे गए और दो अन्य लापता हो गए - ने उत्तरकाशी जिले में साहसिक खेल क्षेत्र को एक बड़ा झटका दिया है। उद्योग के पेशेवरों का दावा है कि ट्रेकिंग और पर्वतारोहण गतिविधियों के लिए एक केंद्र, पहाड़ी जिला महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का उद्घाटन संस्करण मार्च में 15-दिवसीय विंडो में खेला जाना तय है, जिसे अक्टूबर में बीसीसीआई की एजीएम में आधिकारिक मंजूरी मिल गई थी। कई देरी और गैर-पर्याप्त दावों के बाद, महिला आईपीएल को आम सभा से अंतिम मंजूरी मिल गई और संस्करण मीडिया अधिकारों की नीलामी और फ्रेंचाइजी के लिए नीलामी से पहले होगा।महिला आईपीएल का 2023 संस्करण 7 से 22 मार्च तक आयोजित होने की संभावना है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि यह पांच टीमों का आयोजन होने जा रहा है, जिसके लिए 160-170 भारतीय खिलाड़ियों और 30 की सूची है। -40 विदेशी खिलाड़ियों को जमा किया जाएगा। बीसीसीआई ने आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की हालिया बैठक के बाद चयनकर्ताओं से खिलाड़ियों की एक सूची प्रस्तुत करने को

कहा और बताया गया है कि इसी उद्देश्य के लिए 200 से अधिक नाम दिए जाएंगे।बीसीसीआई ने पिछले कुछ महीनों में सक्रिय रूप से कुछ चीजें सही की हैं, जिसमें आईपीएल की घोषणा और जहां तक मैच फीस का संबंध है, अपने पुरुष समकक्षों के साथ वेतन समानता शुरू करके वेतन अंतर को पाटना शामिल है। आईपीएल के नए अध्यक्ष अरुण धूमल ने पिछले महीने नई लीग में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा था कि टूर्नामेंट के पीछे का विचार प्रशंसक आधार का एक नया सेट अर्जित करना और अधिक से अधिक लड़कियों को खेल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।प्रशंसकों को बड़ी संख्या में स्टेडियम में आना चाहिए, चाहे हमारे पास ग्रामीण क्षेत्रों या मुख्य शहर के केंद्रों में डब्ल्यूआईपीएल हो। हम इसका मूल्यांकन करेंगे और जल्द ही निर्णय लेंगे। हमने आईपीएल में जो किया, हम डब्ल्यूआईपीएल के साथ भी कुछ ऐसा ही करना चाहते हैंइस कदम का पूर्व कप्तान मिताली राज, वर्तमान कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी डिप्टी स्मृति मंधाना सहित कई भारतीय क्रिकेटरों ने स्वागत किया। हरमनप्रीत ने हाल ही में कहा था कि महिला आईपीएल घरेलू और

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बीच की खाई को पाटने में मदद करेगा। हरमनप्रीत ने कहा कि आईपीएल में खेलने से घरेलू खिलाड़ियों को दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा, जो अंततः उन्हें अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में मदद करेगा।जब वे भारतीय टीम के लिए खेल रहे होंगे तो उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा, क्योंकि अभी जो खिलाड़ी घरेलू टीमों से चुने जाते हैं, कभी-कभी मैं देख सकता हूं कि वे खाली हैं, उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें कैसे बदलना है।"उस अंतर को कम करने के लिए, टूर्नामेंट एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। इसलिए, आने वाले वर्षों में, आईपीएल में खेलने वाली लड़कियों के साथ, हम निश्चित रूप से उनके प्रदर्शन में कुछ बड़े बदलाव देखेंगे।

राज्य स्तरीय कला उत्सव में डीजी शिक्षा बंशीधर तिवारी ने छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 दिसम्बर , समग्र शिक्षा उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को आनंदित कर दिया।रिंग रोड स्थित किसान भवन में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा एवं सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने स्वयं मौजूद रहकर दूर-दराज से आए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। इस अवसर पर उन्होंने दृष्टि दिव्यांग छात्रा ज्योति की पारंपरिक गीत की

प्रस्तुति पर उसका विशेष रूप से उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ज्योति का समर्पण हम सबके लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इस अवसर पर कई बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

पौड़ी : एसएसपी श्वेता चौबे के निर्देशन में महिला पुलिसकर्मियों ने कसी कमर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 7 दिसंबर , पौड़ी गढ़वाल की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे महिलाओं और स्कूली लड़कियों को आत्म निर्भर और आत्मरक्षण के लिए प्रेरित करती रहीं हैं। अब उन्होंने महकमे को बेहतर सेवा का माहौल बनाने के लिए ट्रेनिंग सेशन की योजना तैयार की है और जनपद के समस्त थानों की महिला हेल्प डेस्क प्रभारियों/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला कर्मियों को इसमें शामिल किया है।

इस बेहद ख़ास कार्यशाला में उपस्थित महिला पुलिसकर्मियों को थाने पर आने वाले फरियादियों से किस तरह व्यवहार करना है, किस तरह वार्तालाप करनी है और कैसे फरियादी की शिकायतों को सुनकर उसका तेज़ी से निपटारा करना है ये बताया गया। मकसद है कि थाने पर पहुंचने वाले फरियादियों को सकारात्मक और सहयोगी माहौल दिया जा सके, इसके अतिरिक्त कार्यालय में विभिन्न अधिकारियों द्वारा कार्यशाला में उपस्थित महिला हेल्प डेस्क प्रभारियों/महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला कर्मियों को विभिन्न विषयों पर जानकारियां दी गयी- सागर पुरी प्रशिक्षित ट्रेनर जनपद पौड़ी जूडो एसोसिएशन एवं अपर उपनिरीक्षक विजया चौधरी द्वारा को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

आज के माहौल में असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल साइट्स का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है इस सम्बन्ध में विभव सैनी, क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन/नोडल साइबर द्वारा साइबर अपराधों/ साइबर सेफ के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। वहीँ हरिओम राज चौहान, प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर एवं महिला आरक्षी विमला नेगी, साइबर सेल द्वारा आई0टी0 एक्ट/विभिन्न पाट्र्स के बारे में बताया गया। महिला उपनिरीक्षक उर्मिला बिष्ट थानाध्यक्ष ,महिला थाना श्रीनगर द्वारा गुड टच बैड टच एवं अपर उपनिरीक्षक विजया चौधरी द्वारा महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम व इससे बचाव के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। डॉ मोहित सैनी मनोचिकित्सक बेस अस्पताल श्रीनगर द्वारा कार्यशाला के दौरान महिलाओं/बच्चों की काउंसलिंग के सम्बन्ध में आवश्यक एवं उपयोगी जानकारी दी गयी।

राजीव डोभाल, अपर अभियोजन अधिकारी श्रीनगर द्वारा महिला सम्बन्धी अपराध एवं पोक्सो एक्ट विषय एवं इस प्रकार के अपराधों की विवेचनात्मक कार्यवाहियों की बारीकियों के बारे में ब्रीफ कर जानकारी दी गई, जिससे न्यायालय में मामलों की सुनवाई/वितरण के दौरान कोई विधिक रुकावट न हो सके। प्रशिक्षण के उपरान्त इन प्रशिक्षित महिला पुलिस कर्मियों को के तौर पर अपने-अपने थाना क्षेत्र में पड़ने वाले समस्त शिक्षण संस्थानों में भेजकर वहाँ अध्ययन करने वाली छात्राओं को आत्म रक्षा हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा, छात्राओं को गुड टच बैड टच, साइबर सेफ के बारे में जागरूक किया जाएगा, साथ ही उक्त प्रशिक्षित महिला पुलिस कर्मी अपने-अपने थाना क्षेत्र में पड़ने वाले स्कूल/कॉलेजों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के खुलने व बन्द होने के समय शिक्षण संस्थानों के आस पास बनाये रखेंगे, छात्राओं से बातचीत कर सुरक्षा का भरोसा दिलाएंगे, जिससे छात्राओं के बीच पुलिस के प्रति सुरक्षा का भाव बना रहे।

भारत जर्मनी समझौता : क्या जर्मनी में पढ़ाई अब हुई आसान? इधर हे सब कुछ जो आपके लिए जानना ज़रूरी है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारत और जर्मनी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। विदेश मंत्री एस जयशंकर और जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक ने एक व्यापक प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी के समझौते पर हस्ताक्षर किए। जर्मनी के विदेश मंत्री दो दिवसीय दौरे पर भारत में हैं। यात्रा के दौरान, वह नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन और रूस और चीन के साथ भारत के संबंधों पर सहयोग पर चर्चा करेंगी।

भारत-जर्मनी समझौते से छात्रों को कैसे लाभ होगा?

माइग्रेशन और मोबिलिटी पार्टनरशिप समझौते की प्रमुख उपलब्धियों में से एक है और यह दोनों देशों के कॉलेजों में अधिक छात्रों का अध्ययन सुनिश्चित करेगी।

प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी के माध्यम से, भारतीय छात्र एक संयुक्त डिग्री और दोहरी डिग्री पाठ्यक्रम करने में सक्षम होंगे और यह विश्वविद्यालय स्तर पर भारतीय और जर्मन विश्वविद्यालयों के बीच सुनिश्चित किया जाएगा। जब विदेशी शिक्षा की बात आती है तो जर्मनी भारतीय छात्रों के लिए शीर्ष वरीयता में से एक रहा है। जर्मन सरकार छात्रों को सब्सिडी प्रदान करती है, और 18 महीने के अध्ययन के बाद के परमिट और विभिन्न भत्तों की अनुमति देती है जो इसे शीर्ष विकल्प बनाती है।इसी तरह, भारत सरकार भी जर्मन छात्रों को शिक्षा के भत्ते प्रदान कर रही है।

मई 2022 में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार स्टडी इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) में जर्मन छात्रों के प्रवेश की सुविधा प्रदान करेगी।

दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते से यह भी सुनिश्चित होता है कि भारतीय छात्रों को जर्मनी में शोध कार्यक्रमों में अधिक अवसर मिले। यह समझौता उच्च शिक्षा प्रणालियों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के विस्तार की दिशा में जर्मनी और भारत के प्रयासों को बढ़ाएगा।

मुख्यमंत्री से मिले युवा बॉलीवुड एक्टर ऋषभ कोहली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 दिसंबर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास स्थित कैम्प कार्यालय में देहरादून निवासी युवा बॉलीवुड एक्टर ऋषभ कोहली ने भेंट की। ऋषभ ने मुख्यमंत्री से अपनी आगामी फ़िल्म "कर्तम-भुगतम" के संबंध में चर्चा की और उनसे आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री ने युवा अभिनेता को शुभकामनायें देते हुए कहा कि प्रदेश में फिल्मांकन के लिये फिल्मकारों को सुविधायें उपलब्ध करायी जा रही हैं। हमारा प्रयास राज्य के नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य को देश एवं दुनिया में पहुंचाने का है। इसमें हमारे युवा फिल्मकारों को भी सहयोगी बनना होगा।

ऋषभ ने मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिए उत्तराखंड में बहुत अच्छा वातावरण, संभावनाएं हैं तथा उत्तराखंड सरकार इस क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए अच्छा कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर एक्टर ऋषभ कोहली के पिता वरिष्ठ पत्रकार नीरज कोहली भी उपस्थित थे।

मोमोज खाना बंद करने का समय आ गया है, जाने क्यों

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तला हुआ, भाप में पका हुआ, कढ़ी या तंदूरी, मोमोज किसी भी रूप में खाये बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं। आज सबसे लोकप्रिय स्ट्रीट फूड में से एक, स्वादिष्ट पकौड़े हर जगह उपलब्ध हैं।चिकन, मछली, सूअर का मांस, या सब्जियों से भरे हुए, वे कई स्वादों और किस्मों में उपलब्ध हैं और पकवान की सूक्ष्मता का मुकाबला करने के लिए टमाटर और तीखी लाल मिर्च से बने मसालेदार,

सॉसी डिप के साथ परोसे जाते हैं।हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे पहले तिब्बत में पैदा हुए मोमोज स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं और शरीर को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मोमोज खाने के खतरे

यहां कुछ कारण बताए गए हैं कि आपको मोमोज से परहेज क्यों करना चाहिए, खासतौर पर सड़क किनारे भोजनालयों से, जो स्वास्थ्य और स्वच्छता की ज्यादा परवाह नहीं करते हैं।

मैदा सेहत के लिए हानिकारक होता है

मैदा का इस्तेमाल कई व्यंजनों में बड़े पैमाने पर किया जाता है। अमेरिकी कृषि और स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के अनुसार, रिफाइंड आटे के साथ तीन मुख्य मुद्दे हैं:

1. रिफाइंड आटे के सेवन से ब्लड शुगर और इंसुलिन बढ़ता है, जिससे मेटाबॉलिज्म डिसफंक्शन होता है

2. परिष्कृत आटे में पोषक तत्वों की कमी होती है और इसमें हानिकारक योजक होते हैं

3. रिफाइंड आटा स्वास्थ्यप्रद खाद्य पदार्थों को आहार से विस्थापित कर देता है।

मोमोज के लिए आटा बनाने में रिफाइंड आटे का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है और इसकी उच्च स्टार्च सामग्री में फाइबर की कमी होती है और इसका सेवन करने पर रक्त शर्करा में तेजी से वृद्धि होती है। परिष्कृत आटे के हाइपरग्लाइसेमिक और हाइपरिन्सुलिनमिक प्रभाव गंभीर रक्त शर्करा के उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं, जो समय के साथ मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को काफी बढ़ा सकते हैं।मामले को बदतर बनाने के लिए, मैदा, रिफाइनिंग प्रक्रिया के दौरान आहार फाइबर, विटामिन बी और ई, लोहा, मैग्नीशियम, और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की पर्याप्त हानि होती है। यह वजन बढ़ाने, मोटापा, उच्च रक्तचाप और कैंसर में भी जोड़ता है।

क्या कोविड-19 वैक्सीन से बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक के मामले?

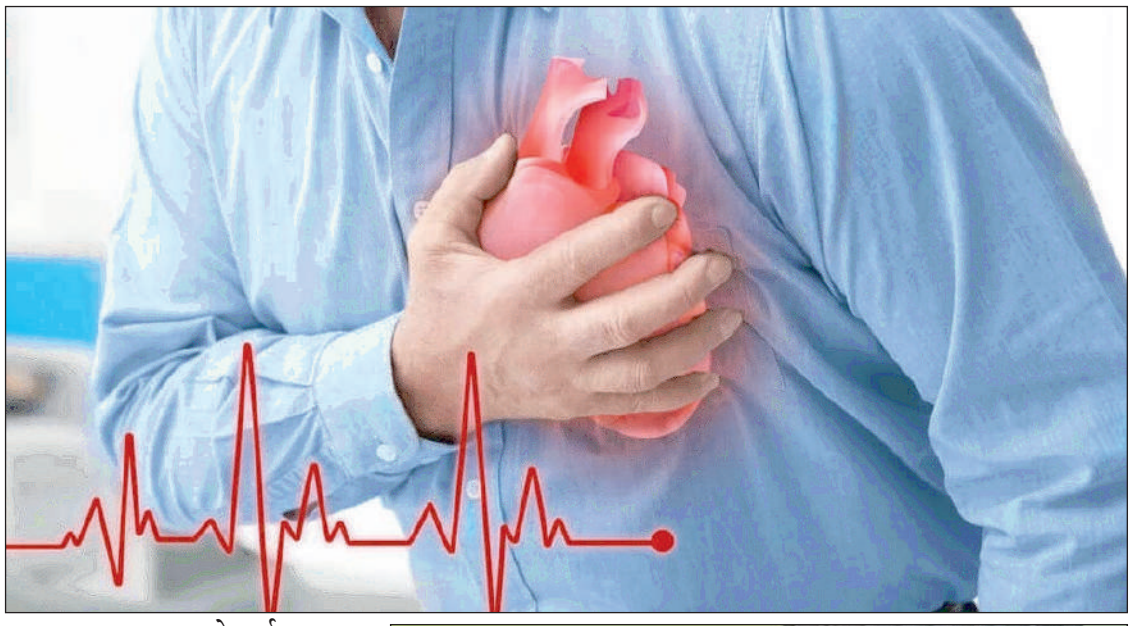

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भले ही कोविड टीकों को सुरक्षित और प्रभावी के रूप में चिन्हित किया गया हो, लेकिन चिकित्सक हृदय स्वास्थ्य पर टीके के हल्के प्रभाव से पूरी तरह इंकार नहीं करते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से युवा और स्वस्थ लोगों में अचानक कार्डियक अरेस्ट की अधिक खबरें आने के बाद, कोविड वैक्सीन का हृदय पर संभावित प्रभाव एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। भले ही कोविड टीकों को सुरक्षित और प्रभावी के रूप में चिन्हित किया गया हो, लेकिन चिकित्सक हृदय स्वास्थ्य पर टीके के हल्के प्रभाव से पूरी तरह इंकार नहीं करते हैं।

हालांकि, वे इस बात को बनाए रखते हैं कि वैक्सीन का लाभ लोगों में होने वाले दुष्प्रभावों, यदि कोई हो, से कहीं अधिक है।दिल का दौरा पड़ने के बाद कुछ दिनों पहले ट्विटर पर #हार्टअटैक ट्रेंड करने लगा - वरमाला समारोह के दौरान दिल का दौरा पड़ने से एक दुल्हन की मौत से लेकर जबलपुर में एक बस ड्राइवर की वाहन चलाते समय अचानक कार्डियक अरेस्ट से मौत और इस प्रक्रिया में दो अन्य की मौत .

कुछ ही समय पहले, एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति अपने रिश्तेदार की शादी में नाचते समय गिर गया, जबकि बाकी लोग डरावने रूप से देख रहे थे। हर कुछ दिनों के बाद इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं और लोगों को आश्चर्य होता है कि क्या यह कोविड या टीका है जो अचानक हृदय मृत्यु के पीछे अपराधी हो सकता है।हाल ही में, हमने बहुत से युवाओं को एक्यूट हार्ट अटैक और विशेष रूप से कार्डियक अरेस्ट से मरते हुए देखा है, विशेष रूप से नृत्य, ड्राइविंग, शादी समारोह और अन्य जैसी शारीरिक गतिविधि करते हुए। यह चरम कोविड समय के दौरान भी देखा गया था, जब बहुत से लोगों ने कार्डियक अरेस्ट की प्रस्तुति। अब कोविड वैक्सीन के बाद भी, हमने कोविड संक्रमण के हल्के रूप से संक्रमित होने पर भी कार्डियक घटनाओं में वृद्धि देखी है। ओमिक्रॉन द्वारा प्रक्षेपित तरंगें हल्की होती हैं लेकिन उनका अपना प्रभाव होता है

युवावस्था में हृदयाघात के कारण

रहृदय रोग - सूजन, कोरोनरी धमनी रोग या यहां तक कि दिल के दौरे विभिन्न विशेषताओं के साथ प्रकृति में बहुक्रियाशील हैं - जीवन शैली यानी गतिहीन, मोटापा, भोजन की आदतें। दूसरा महत्वपूर्ण कारक - पहले से मौजूद सह-रुग्णताएं या स्थितियां - मधुमेह, उच्च रक्तचाप, लिपिड गड़बड़ी।

जिलाधिकारी युगल किशोर पंत की अध्यक्षता में शीत ऋतु बचाव की तैयारी शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 7 दिसम्बर , जिलाधिकारी युगल किशोर पंत की अध्यक्षता में शीत ऋतु बचाव हेतु जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका व नगर पंचायत तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कलैक्ट्रेट सभागार कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी।

जिसमें जिलाधिकारी द्वारा वर्तमान शीतकाल के दृष्टिगत ठंड के प्रकोप को ध्यान में रखते हुये जनपद के सभी नगर निकायों में स्थल चयनीत करते हुये अलाव जलाये जाये साथ ही कृत कार्यवाही की फोटो मय सूचना प्रत्येक दिन अपरान्ह 03:00 बजे जिला आपदा प्रबन्धन कार्यालय को प्रेषित करने हेतु समस्त नगर निकायों को निर्देशित किया गया।निराश्रित बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों की रैन बसेरों / आश्रय स्थल / धर्मशालाओं में रहने की व्यवस्था की जायें साथ ही शुद्ध पेयजल एवं पौष्टिक खादय पद्धार्थ आदि की भी व्यवस्था की जाये। ऐसे लोगो हेतु शीतलहर से बचने के लिये कम्बल गद्दे इत्यादि की प्रयाप्त व्यवस्था कर ली जायें। रात्रिकालीन / प्रातः कालीन भ्रमण के दौरान पुलिस कार्मिक एवं गस्ती दलों द्वारा यह देखा जाये कि कोई व्यक्ति इस दौरान शीत एवं ठंड के प्रकोप से प्रभावित / दुष्प्रभावित होने की स्थिति में तो नही है यदि ऐसा है तो तुरन्त उक्त के बचाव एवं सहायता हेतु कार्यवाही की जाये।उक्त के अतिरिक्त घरो / आश्रय स्थलों में ठंड से बचाव हेतु प्रयुक्त होने वाले पत्थर के कोयले का प्रयोग न हो इसका वृहत प्रचार प्रसार करते हुये आमजनमानस को इसकी घातकता से भीज्ञ किया जाये। शीतकाल के दौरान सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिये वाहनों की पीछे / ऐसे उपयुक्त स्थान पर रिफ्लेक्टर लगाये जायें जिससे सड़क से गुजरने पर आमजनमानस को क्षति न पहुचें ।

निराश्रित पशुओं के बचाव हेतु एम्बुलेंस इत्यादि की आवश्यक व्यवस्था की जायें तथा दूरभाष नं० 1970 का भी प्रचार-प्रसार किया जाना सुनिश्चित करें। शीतकाल के दौरान यदि कोई दुर्घटना होती है तो जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, ऊधम सिंह नगर के दूरभाष नं0 05944-250719, 250250 तथा टोल फ्री न0 1077 पर तत्काल सूचना उपलब्ध करायें।

संपादकीय

नैतिक पुलिस भंग करना ईरान का सही कदम

ईरान में लगभग तीन महीने से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार की ओर से कहा गया है कि नैतिक पुलिस, जिसे 'गश्ते-इरशाद' के नाम से जाना जाता है, को भंग कर दिया गया है. ईरानी न्यायपालिका से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मोहम्मद जाफर मोंताजेरी ने यह घोषणा करते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि इस नैतिक पुलिस बल का कोई संबंध न्यायपालिका से नहीं है. यह जगजाहिर तथ्य है कि दुनिया बड़ी तेजी से बदल रही है तथा सोशल मीडिया और तकनीक की वजह से हर जगह वैश्विक मूल्यों एवं आकांक्षाओं का प्रवेश हो रहा है. आज के युग में युवा वर्ग को नैतिकता से कहीं अधिक स्वतंत्रता की चाहत है. ऐसे में जोर-जबरदस्ती और पाबंदी कोई विकल्प नहीं हो सकते. असल में, जब भी किसी चीज पर पाबंदी लगायी जाती है, तो उस के पक्ष में लामबंदी अधिक होने लगती है. अगर ईरान के शासन को किसी तरह का धार्मिक आचार-व्यवहार लागू करना है, तो उसे पहले बड़े पैमाने पर अपने प्रस्ताव के पक्ष में जनमत जुटाना चाहिए, लोगों को भरोसे में लेने का प्रयास करना चाहिए. जनता को उन आचरणों की अच्छाइयां बताकर मानसिक रूप से तैयार कराने की कोशिश होनी चाहिए. शिक्षित और जागरूक करने के लिए जो पहलें होनी चाहिए थीं, वह तो हुईं नहीं और सत्ता ने पुलिस का इस्तेमाल कर और दमन का डर दिखाकर सीधे जनता पर अपनी बातें थोप दीं. साल 2005 में महमूद अहमदीनिजाद ईरान के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे. वे कट्टरपंथी विचारों के नेता हैं. उन्हीं के शासनकाल में इस नैतिक पुलिस का गठन हुआ था, जो पहनावे पर निगरानी रखती थी. अगर हिजाब या अन्य तरह के व्यवहारों के महत्व को मूल्यों के साथ जोड़कर लोगों को समझाया जाता तथा दमन और अत्याचार का सहारा नहीं लिया जाता, तो विरोध इस तरह तीव्र नहीं होता. एक तरफ पश्चिमी दुनिया पूरी तरह खुलेपन की ओर जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्य संस्कृतियों के अपने पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक मूल्य हैं. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के कई मूल्य इस्लामिक देशों के मूल्यों से मेल खाते हैं. हमारे देश में भी खुलेपन की प्रक्रिया धीरे-धीरे चल रही है. चूंकि यह थोपा नहीं जा रहा है, तो उसके पक्ष या विपक्ष में कोई विरोध नहीं हो रहा है. कहने का अर्थ यह है कि दुनिया में हो रहे बदलावों के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता है. आप इसे किस हद तक करना चाहते हैं, उस संबंध में आपको युवाओं को शिक्षित-प्रशिक्षित करना पड़ेगा. आप बल प्रयोग से उन्हें अपने हिसाब से संचालित नहीं कर सकते हैं. तो ईरान ने रास्ता अपनाया था, वह गलत था. मुझे लगता है कि अब उन्होंने जो निर्णय लिया है, वह समाज में स्त्रियों की बराबरी और आजादी के लिए बेहतर साबित होगा. पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का दायित्व भी समाज पर होता है. ईरान को व्यापक शैक्षणिक अभियान चलाकर अपने आचार-व्यवहार की खूबियों तथा पश्चिमी संस्कृति की खामियों के बार में लोगों को बताना चाहिए. यह बेहतर तरीका हो सकता है. यदि ईरान ने दमन का रास्ता नहीं अपनाया होता, तो बीते दिनों के प्रदर्शनों में इतनी मौतें नहीं होतीं, अस्थिरता नहीं फैलती. खुद ईरानी सरकार के उच्च पदस्थ अधिकारी कह रहे हैं कि दो से तीन सौ के बीच मौतें हुई हैं. मुझे लगता है कि नैतिक पुलिस बल को भंग करने तथा हिजाब को अनिवार्य बनाने के कानून पर पुनर्विचार करने के सराहनीय निर्णयों के साथ-साथ ईरानी जनता, विशेषकर युवाओं और महिलाओं, में जो रोष है, सरकारी दमन से उन्हें जो पीड़ा हुई है, भावनाएं आहत हुई हैं, उन पर मरहम लगाने की तुरंत जरूरत है. मृतकों के परिजनों तथा घायलों को समुचित मुआवजा भी दिया जाना चाहिए. ईरान की अर्थव्यवस्था को भी इन प्रदर्शनों और सरकारी ज्यादती से बड़ा नुकसान हुआ है. उसकी भी जल्द भरपाई की कोशिशें होनी चाहिए क्योंकि पहले से ही ईरान अनेक परेशानियों का सामना कर रहा है. ईरान की सरकार चीन की तरह मीडिया और सोशल मीडिया पर पहरेदारी या पाबंदी तो नहीं लगा सकती है, तो उसे अपनी संस्कृति के हिसाब से अच्छे कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए. पश्चिमी सभ्यता में अच्छाई है, तो कमियां भी हैं. उन्हें पूरी तरह स्वीकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह सब डंडे के जोर पर नहीं होना चाहिए. युवाओं के विरुद्ध दमन का इस्तेमाल और भी खतरनाक होता है क्योंकि वह उसे चुनौती मान लेता है. ईरान की सरकार को अब यह बात कुछ हद तक समझ आ गयी होगी. ईरान की सरकार को अत्यधिक खुलेपन और पाबंदियों के बीच का रास्ता निकालना होगा, जिसमें उदारता के मूल्य समाहित हों. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज से सात-दस दशक पहले ईरान की आधुनिकता की तुलना यूरोप के देशों से की जाती थी. समूची मुस्लिम दुनिया में ईरान सबसे अधिक आधुनिक था और उसके बाद तुर्की का स्थान आता था. लेकिन एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होने से एक व्यक्ति पूरे देश की संस्कृति को बदल देता है.

कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा का खाका तैयार धमकी के बाद फिर जम्मू लौटने लगे कर्मी

जम्मू/नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में आतंकी घटनाओं में हो रही लगातार गिरावट के बावजूद कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा केंद्र के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। मंगलवार को इस बाबत नई दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इससे निपटने की रणनीति बनाई गई। साथ ही कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा का खाका तैयार किया गया।

इस बीच दो दिन पहले आतंकी संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की ओर से जिन 56 कर्मचारियों की हिट लिस्ट जारी की गई थी उनमें से छह-सात परिवार मंगलवार को जम्मू लौट आए। उधर कश्मीर में रह रहे पीएम पैकेज कर्मचारियों में दहशत है।

उनका कहना है कि माहौल घाटी में काम करने योग्य नहीं है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृहसचिव अजय भल्ला की अगुवाई में हुई इस बैठक में दो दिन पहले आतंकी संगठन द्वारा कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के नाम की सूची सार्वजनिक करने की घटना को काफी गंभीरता से देखा गया। इससे साथ ही सीमा पार से मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल की बढ़ती घटनाओं पर भी लंबी चर्चा हुई। बैठक में कश्मीरी पंडितों, अल्पसंख्यकों तथा बाहरी मजदूरों की टारगेट किलिंग की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इस पर प्रभावी नियंत्रण की हिदायत दी गई। सर्विलांस बढ़ाने के साथ ही हाइब्रिड आतंकियों तथा ओजीडब्ल्यू नेटवर्क को ध्वस्त करने पर जोर दिया गया। ज्ञात हो कि गृहमंत्री अमित शाह के अक्तूबर महीने में दौरे के बाद यह पहली उच्च स्तरीय बैठक है।

नवंबर महीने में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रधानमंत्री से मिलकर जम्मू-कश्मीर के हालात की जानकारी दी थी। इस बैठक में गृहसचिव के अलावा एनआईए प्रमुख दिनकर गुप्ता, आईबी प्रमुख अजय डेका, रॉ प्रमुख सामंत गोयल, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव डॉ. अरुण कुमार मेहता, डीजीपी दिलबाग सिंह व खुफिया विभाग के डीजी आरआर स्वैन शामिल हुए। जबकि सीआरपीएफ महानिदेशक सुजाय लाल थाउसेन ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये शिरकत की।

सूत्रों ने बताया कि घाटी में आतंकी तंत्र को काफी हद तक कमजोर किया जा चुका है। लेकिन पाकिस्तान समर्थित आतंकी हिंसा का माहौल बनाए रखने के लिए पंडितों को निशाना बनाने पर अमादा हैं। इसे रोकने के लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है। इस बैठक के बाद गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत दोभाल सुरक्षा एजेंसियों के साथ इस मुद्दे पर मंत्रणा करेंगे। केंद्र का लक्ष्य है कि जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रक्रिया शुरू होने से पहले सुरक्षा ग्रिड पूरी तरह दुरुस्त हो जाए।

गृह सचिव ने प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। अलग-अलग सेक्टर में चल रहे काम तथा उनकी प्रगति के बारे में जाना। जम्मू-श्रीनगर हाईवे की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए हिदायत दी कि इसके काम में तेजी लाए जाए। सभी बाधाओं को दूर कर यथाशीघ्र इसे पूरा किया जाए ताकि लोगों को 12 महीने हाईवे का लाभ मिल सके। उन्होंने कटड़ा से बनिहाल के बीच रेल लाइन की प्रगति की जानकारी ली।

आज पता चलेगा दिल्ली में किसकी बनेगी 'छोटी सरकार', दोपहर तक मतगणना पूरी होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम के 250 वार्डों में चुनाव लड़े 1,349 उम्मीदवारों के साथ-साथ राजनीतिक दलों के भाग्य का बुधवार को खुलासा होगा। सुबह आठ बजे से 42 मतदान केंद्रों पर 10 हजार से अधिक कर्मचारी मतगणना करेंगे। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने प्रत्येक वार्ड की मतगणना के लिए 4 से 10 टेबल लगाने का निर्णय लिया है। इस तरह समस्त वार्डों में मतगणना के 5 से 10 राउंड होंगे। दोपहर एक बजे तक सभी वार्डों की मतगणना का कार्य पूरा हो जाएगा। ऐसे मे दोपहर तक दिल्ली की मिनी सरकार की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

देखने वाली बात यह है कि एमसीडी में लगातार चौथी बार भाजपा का कमल खिलेगा या दिल्ली विधानसभा की तरह सिविक सेंटर में भी आम आदमी पार्टी की झाड़ू चलेगी या फिर कांग्रेस लगातार 15 साल की अपनी हार का सिलसिला तोड़ सकेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता मंगलवार को ही संभावित जीत को देखते हुए खुशी जताते नजर आए। प्रत्येक वार्ड का राउंड पूरा होने के बाद बढ़त लेने वाले उम्मीदवार की जानकारी दी जाएगी।

इसी तरह एमसीडी में बढ़त लेने वाले दलों और अन्य उम्मीदवारों के बारे में भी बताया जाएगा। जनता तक यह जानकारी पहुंचाने के लिए आयोग की ओर से पल-पल में अपने एप में यह जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी और मीडिया को आंकड़े दिए जाएंगे। आयोग ने अपने मुख्यालय में भी एमसीडी चुनाव की मतगणना का ब्योरा देने की व्यवस्था की है। सबसे कम राउंड वार्ड नंबर-132 कापसहेड़ा में होंगे। इस वार्ड में मात्र 18 पोलिंग बूथ हैं। इसके अलावा इस वार्ड में मतदाताओं की संख्या भी सबसे कम है। इस वार्ड में करीब 20 हजार मतदाता हैं। लिहाजा इस वार्ड का सबसे पहले परिणाम आने की संभावना है। आयोग के अनुसार इस वार्ड का सुबह साढ़े नौ बजे तक परिणाम आ जाएगा, जबकि वार्ड नंबर- 114 नवादा का सबसे देर से परिणाम आने के असार है।

उत्तराखंड में अलग-अलग सड़क हादसों में चार की मौत, आठ घायल

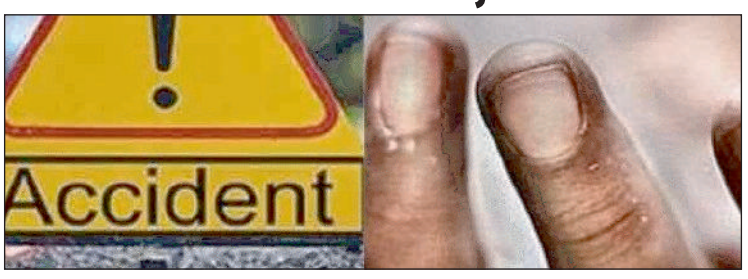

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली और पौड़ी गढ़वाल जिलों में अलग-अलग हादसों में दो चारपहिया वाहनों के खाई में गिर जाने से दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गयी और आठ लोग घायल हो गये.चमोली के गोपेश्वर क्षेत्र के पास रविवार रात पांच लोगों को ले जा रहा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने कहा कि दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए।पौड़ी गढ़वाल जिले के कुलंद मोड़ में सोमवार को एक वाहन 150 मीटर गहरी खाई में गिर गया. वाहन में सात लोग कोटद्वार जा रहे थे। एसडीआरएफ की प्रवक्ता ललिता नेगी ने कहा, ₹एसडीआरएफ की एक टीम को मौके पर भेजा गया। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए कोटद्वार के एक अस्पताल में ले जाया गया।₹ हादसे में प्रीति सिंह (32) और बिल्लू देवी (65) की मौत हो गई।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

मुख्य सचिव ने ली आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 7 दिसम्बर , मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु की अध्यक्षता में मंगलवार को आपदा प्रबंधन विभाग की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य आपदा मोचन निधि और राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।बैठक में 208.12 करोड़ की लागत के बलियानाला ट्रीटमेंट कार्य को सहमति प्रदान की गई।

मुख्य सचिव ने योजना पूर्ण होने की प्रस्तावित समय 4 साल को घटा कर 2 साल में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य 2 अथवा 3 शिफ्ट में युद्ध स्तर पर किया जाए। जो कार्य समानांतर शुरू किए जा सकते हैं, किए जाएं, एवं टेंडर भी तुरंत जारी किए जाएं। मुख्य सचिव ने इस कार्य में पर्यटन को जोड़े जाने की बात कही। बैठक के दौरान 1020.09 लाख की लागत के नैनीताल में डीएसबी कॉलेज बालिका छात्रावास और ठंडी सड़क के भूस्खलन की रोकथाम कार्य को भी सहमति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन विभाग को प्रदेश में मानसून काल के दौरान विभिन्न जनपदों और रेखीय विभागों को दी जाने वाली राशि उपलब्ध कराने में उदारवादी होने की बात कही। साथ ही निर्देश दिए कि विभागों को टारगेट दिए जाएं ताकि तेजी से कार्य पूर्ण किए जा सकें, इससे आमजन की समस्याओं का तेजी से निस्तारण किया जा सकेगा।

बैठक में 15.0 करोड़ की लागत से आपदा के त्वरित प्रतिवादन हेतु राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आईआरएस सिस्टम और सॉफ्टवेयर विकास कार्य को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

उन्होंने इसमें आईटीडीए को भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने 30.00 करोड़ की लागत के प्राकृतिक विपत्तियों के कारण क्षतिग्रस्त पेयजल योजनाओं की तात्कालिक मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्यों को सहमति देते हुए उत्तराखण्ड जल संस्थान को प्रदेशभर के अधिक से अधिक कार्यों को शामिल करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक विपत्तियों के कारण पाइपलाइंस टूटने से बहुत से क्षेत्रों को पानी की समस्या से जूझना पड़ता है, इसके लिए शीघ्र बैठकें आयोजित कर सैचुरेशन प्लान तैयार किया जाए।समिति की बैठक के दौरान 175.00 लाख की लागत के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटियोरोलॉजी (आईआईटीएम) पुणे के माध्यम से देहरादून और श्रीनगर में वज्रपात की चेतावनी हेतु सेंसर लगाए जाने को भी स्वीकृति प्रदान की गई।इस अवसर पर सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, आर. राजेश कुमार , हरिचंद्र सेमवाल एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर कुमाऊं दीपक रावत एवं अपर सचिव आपदा प्रबंधन सविन बंसल सहित सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तरकाशी में ग्वाड़ गांव के एक मकान में लगी भीषण आग, आस पास के कई मकानों को भी पहुंचा नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले के मोरी ब्लाक की हरकीदून घाटी के गंगाड़ गांव में दो मकान जलकर राख हो गए जिससे इनमें रहने वाले चार परिवार बेघर हो गए हैं। आग से मकान में बंधी छह भेड़ भी जल गई है। घटना का पता चलने पर ग्रामीणों ने आसपास के मकानों को किसी तरह जलने से बचाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

मंगलवार को गोविंद वन्यजीव विहार के गंगाड़ गांव में अपराह्न करीब तीन बजे मुन्ना सिंह पुत्र साब सिंह, रणवीर सिंह पुत्र कुंदन सिंह के मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण एकत्र हुए और बुझाने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक मुन्ना सिंह व रणवीर सिंह का मकान पूरी तरह जल गया था। मुन्ना सिंह के साथ उसके दो भाई भी रहते थे। आग से मकान जलने के बाद चार परिवार बेघर हो गए हैं। आग से मकान में बंधी छह भेड़ भी जल गई हैं।

क्षेत्र में संचार के कोई साधन नहीं हैं। यहां प्रशासन ने एक सेटेलाइट फोन की व्यवस्था कर रखी है। इसी से ग्रामीणों ने अग्निकांड की सूचना प्रशासन को दी। गंगाड़ गांव सड़क से करीब नौ किमी पैदल दूरी पर है। ओसला के पूर्व प्रधान वरदान सिंह राणा ने बताया कि वहां पानी नहीं होने से आग पर काबू पाने में समस्या आई। ग्रामीणों ने बमुश्किल आग पर काबू पाई। आसपास के मकानों को आंशिक नुकसान हुआ है। इधर, एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि मोरी से तहसीलदार सहित राजस्व विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। एसडीएम ने भी गांव के लिए प्रस्थान कर दिया है।

एक ही मकान पर आग लगी थी। ग्रामीणों ने आग पर काबू पाकर आसपास के मकानों को बचाया। घटना की सूचना वायरलेस के जरिए वनकर्मियों ने दी।

उत्तराखंड में 15 साल से पुराने सभी सरकारी वाहनों को कबाड़ किया जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के सभी सरकारी विभागों, निगमों, निकायों में चलने वाले सरकारी वाहन 15 साल की उम्र पूरी होने पर पुराने हो जाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस पर सुझाव मांगते हुए स्क्रैप पॉलिसी के तहत ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। शासन स्तर से इस पर सुझाव तैयार किए जा रहे हैं।

मंत्रालय की ओर से जारी मसौदा अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार के सभी विभागों, राज्य सरकार और उसके विभागों, नगर निगमों, नगर पालिकाओं, परिवहन निगमों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, केंद्र सरकार और राज्य के स्वायत्त निकायों में कबाड़ नीति सरकारें। अप्रैल 2023 से लागू होगा।इसके तहत सरकार वाहनों की ऊपरी आयु सीमा 15 साल तय करने जा रही है। अगले साल एक अप्रैल को जिन वाहनों की उम्र 15 साल पूरी हो जाएगी, वे सीधे कबाड़ में चले जाएंगे। उत्तराखंड सरकार को एक मसौदा अधिसूचना भी भेजी गई है, जिस पर सुझाव मांगे गए हैं।

हर जिले में तीन कबाड़ केंद्र : जानकारी

के मुताबिक केंद्र सरकार कबाड़ नीति लागू करने के लिए हर जिले में कम से कम तीन कबाड़ केंद्र खोलेगी. इसके तहत सभी राज्यों से प्रस्ताव मांगे गए थे, जिसमें उत्तराखंड ने भी अपना प्रस्ताव भेज दिया है।

एक अप्रैल से व्यावसायिक वाहनों की फिटनेस अनिवार्य

स्क्रैप पॉलिसी के तहत एक अप्रैल 2023 से सभी तरह के भारी व्यावसायिक वाहनों को अनिवार्य रूप से फिटनेस टेस्ट कराना होगा, जबकि निजी वाहनों के लिए यह व्यवस्था जून 2024 से लागू होगी.सरकारी वाहनों की अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 15 वर्ष करने और उसके बाद उन्हें कबाड़ में भेजने के संबंध में मंत्रालय की मसौदा अधिसूचना प्राप्त हो गई है।